MEDIA

कौशाम्बी में शराब के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा पर युवा जागरूकता कार्यशाला



संवाददाता | **निष्पक्ष पोस्ट**

कौशाम्बी। चन्द्रशेखर सिंह कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कौशाम्बी में युवाओं को शराब के दुष्प्रभावों और नशे में वाहन चलाने के खतरों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर को युवा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एस.एन. सिंह, पूर्व निदेशक, आयुर्वेद सेवाएं, उत्तर प्रदेश रहे। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन रामासृजन जन कल्याण समिति के सचिव ओम मिश्रा ने किया, जबकि स्वागत भाषण फार्मेसी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रितेश तिवारी ने दिया।प्रथम तकनीकी सत्र में कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि शराब का गैर-जिम्मेदाराना सेवन स्वास्थ्य, पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल असर डालता है। मनोवैज्ञानिक डॉ. मालविका राव ने बताया कि शराब निर्णय क्षमता, एकाग्रता और शारीरिक समन्वय को प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। कौशाम्बी के सीओ ट्रैफिक ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशे में वाहन चलाना खुद के साथ दूसरों की जान के लिए भी खतरा है। कार्यशाला में प्रश्नोत्तर सत्र और जागरूकता आकलन के लिए पूर्व-पश्चात सर्वेक्षण भी हुआ। अंत में प्रो. रितेश तिवारी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

NIKSPAKSH POST

कौशाम्बी में शराब के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा पर युवा जागरूकता कार्यशाला

फोकस टाइम्स कौशाम्बी। चन्द्रशेखर सिंह कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कौशाम्बी में युवाओं को शराब के दुष्प्रभावों और नशे में वाहन चलाने के खतरों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर को युवा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एस.एन. सिंह, पूर्व निदेशक, आयुर्वेद सेवाएं, उत्तर प्रदेश रहे। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन रामासृजन जन कल्याण समिति के सचिव ओम मिश्रा ने किया, जबकि स्वागत भाषण फार्मेसी विभागाध्यक्ष प्रो (डॉ.) रितेश तिवारी ने दिया। प्रथम तकनीकी सत्र में कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि शराब का गैर–जिम्मेदाराना सेवन स्वास्थ्य, पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल असर डालता है। मनोवैज्ञानिक डॉ. मालविका राव ने बताया कि शराब निर्णय क्षमता, एकाग्रता और शारीरिक समन्वय को प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। कौशाम्बी के सीओ ट्रैफिक ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशे में वाहन चलाना खुद के साथ दूसरों की जान के लिए भी खतरा है। कार्यशाला में प्रश्नोत्तर सत्र और जागरूकता आकलन के लिए पूर्व–पश्चात सर्वेक्षण भी हुआ। अंत में प्रो. रितेश तिवारी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।



FOCUS TIMES

निराश्रित लोगों के लिए सरकारी योजनाओं माहम्मद इकबाल अहमद हेड मास्टर धमद्र आशिका उपस्थित रहे।

कौशाम्बी में शराब के दुष्प्रभावों व सड़क सुरक्षा पर युवा जागरूकता कार्यशाला

तक्षशिला समाचार

कौशाम्बी। चन्द्रशेखर सिंह कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कौशाम्बी में युवाओं को शराब के दुष्प्रभावों और नशे में वाहन चलाने के खतरों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर को युवा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. एस.एन. सिंह, पूर्व निदेशक, आयुर्वेद सेवाएं, उत्तर प्रदेश रहे। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन रामासृजन जन कल्याण समिति के सचिव ओम मिश्रा ने किया, जबकि स्वागत भाषण फार्मेसी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. रितेश तिवारी ने दिया। प्रथम तकनीकी सत्र में कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि शराब का गैर-जिम्मेदाराना सेवन स्वास्थ्य, पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल असर डालता है। मनोवैज्ञानिक डॉ. मालविका राव ने बताया कि शराब निर्णय क्षमता, एकाग्रता और शारीरिक समन्वय को प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। कौशाम्बी के सीओ ट्रैफिक ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशे में वाहन चलाना खुद के साथ दूसरों की जान के लिए भी खतरा है। कार्यशाला में प्रश्नोत्तर सत्र और जागरूकता आकलन के लिए पूर्व-पश्चात सर्वेक्षण भी हुआ। अंत में प्रो. रितेश तिवारी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।



रामकृष्ण मठ, निराला नगर, लखनऊ में श्रीश्

TAKSHILA SAMACHAR

...नस्थ अधिकारियों–कर्मचारियों प्रोत्साहित करती रहेगी।

कौशाम्बी में शराब के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा पर युवा जागरूकता कार्यशाला





कौशाम्बी। चन्द्रशेखर सिंह कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कौशाम्बी में युवाओं को शराब के दुष्प्रभावों और नशे में वाहन चलाने के खतरों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर को युवा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एस. एन. सिंह, पूर्व निदेशक, आयुर्वेद सेवाएं, उत्तर प्रदेश रहे। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन रामासृजन जन कल्याण समिति के सचिव ओम मिश्रा ने किया, जबकि स्वागत भाषण फार्मेसी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रितेश तिवारी ने दिया। प्रथम तकनीकी सत्र में कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि शराब का गैर–जिम्मेदाराना सेवन स्वास्थ्य, पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल असर डालता है। मनोवैज्ञानिक डॉ. मालविका राय ने बताया कि शराब निर्णय क्षमता, एकाग्रता और शारीरिक समन्वय को प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। कौशाम्बी के सीओ ट्रैफिक ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशे में वाहन चलाना खुद के साथ दूसरों की जान के लिए भी खतरा है। कार्यशाला में प्रश्नोत्तर सत्र और जागरूकता आकलन के लिए पूर्व–पश्चात सर्वेक्षण भी हुआ। अंत में प्रो. रितेश तिवारी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

शाहबाद पुलिस ने मिशन शक्तिफेज-6रूके तहत महिलाओं और युवाओं को किया जागरूक, हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

शराब के दुष्प्रभावों, कानूनी प्रावधानों व दुर्घटनाओं से बचाव की दी गई जानकारी

● नशे से दूर रहने और सड़क सुरक्षा के प्रति युवाओं को किया जागरूक

लोकमित्र ब्यूरो



कौशाम्बी। कोईलहा में स्थित चन्द्रशेखर सिंह कालेज आफ फार्मेसी में शनिवार को युवाओं को शराब के दुष्प्रभावों और नशे की हालत में वाहन चलाने से होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें स्वास्थ्य, मनोविज्ञान, कानून और सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी। वक्ताओं ने युवाओं से नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के पूर्व आयुर्वेद सेवा निदेशक प्रो० डा० एसएन सिंह ने कहा कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों को अनुशासित जीवनशैली अपनाकर अपने स्वास्थ्य और भविष्य के प्रति सजग रहना चाहिए। महाविद्यालय के फार्मेसी विभागाध्यक्ष प्रो० डा० रितेश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी विद्यार्थियों को शिक्षा देने के साथ उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व और सुरक्षित व्यवहार की भावना विकसित करना भी है।

कार्यशाला के पहले तकनीकी सत्र में कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने शराब के सेवन से स्वास्थ्य, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। मनोवैज्ञानिक व मनोचिकित्सकीय परामर्श विशेषज्ञ डा० मालविका राव ने बताया कि शराब व्यक्ति की निर्णय लेने की क्षमता, एकाग्रता और प्रतिक्रिया देने की गति को प्रभावित करती है। इससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। यातायात क्षेत्राधिकारी भैया संतोष कुमार सिंह ने नशे की हालत में वाहन चलाने के कानूनी परिणामों और सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशे में वाहन चलाना चालक के साथ अन्य लोगों की जान के लिए भी खतरा है। युवाओं से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करने की अपील की। साथ ही मित्रों और परिचितों को भी नशे की हालत में वाहन चलाने से रोकने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने शराब के स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों, कानूनी प्रावधानों और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम से जुड़े सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। विद्यार्थियों की जागरूकता का आकलन करने के लिए कार्यशाला में पूर्व और पश्चात सर्वेक्षण भी कराया गया। कार्यक्रम का संचालन रामासृजन जन कल्याण समिति के सचिव ओम मिश्रा ने किया। समापन पर प्रो० डा० रितेश तिवारी ने अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो० एसके गुप्त सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

LOKMITRA BUREAU

नशे से दूर व सड़क सुरक्षा के प्रति युवाओं को किया जागरूक



चंद्रशेखर सिंह कालेज आफ फार्मेसी में आयोजित कार्यशाला में यातायात जागरूकता और नशे के विरोध चला जागरूकता कार्यक्रम ● जागरण

संसू जागरण टेढ़ीमोड़ : चन्द्रशेखर सिंह कालेज आफ फार्मेसी कोइलहा में शनिवार को युवाओं को शराब के दुष्प्रभावों और नशे की हालत में वाहन चलाने से होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें स्वास्थ्य, मनोविज्ञान, कानून और सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी। वक्ताओं ने युवाओं से नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। उत्तर प्रदेश के पूर्व आयुर्वेद सेवा निदेशक प्रो. डा. एसएन सिंह ने कहा कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। फार्मेसी विभागाध्यक्ष प्रो. डा. रितेश तिवारी ने कार्यशाला के पहले तकनीकी सत्र में कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने शराब के सेवन से स्वास्थ्य, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। मनोवैज्ञानिक व मनोचिकित्सकीय परामर्श विशेषज्ञ डा. मालविका राव ने बताया कि शराब व्यक्ति की निर्णय लेने की क्षमता, एकाग्रता और प्रतिक्रिया देने की गति को प्रभावित करती है। कार्यक्रम का संचालन रामासृजन जन कल्याण समिति के सचिव ओम मिश्रा ने किया।

DAINIK JAGRAN

कौशाम्बी में शराब के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा पर युवा जागरूकता कार्यशाला



घटनाएं समाचार

कौशाम्बी। चन्द्रशेखर सिंह कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कौशाम्बी में युवाओं को शराब के दुष्प्रभावों और नशे में वाहन चलाने के खतरों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर को युवा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एस.एन. सिंह, पूर्व निदेशक, आयुर्वेद सेवाएं, उत्तर प्रदेश रहे। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन रामासुजन जन कल्याण समिति के सचिव ओम मिश्रा ने किया, जबकि स्वागत भाषण फार्मेसी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रितेश तिवारी ने दिया।प्रथम तकनीकी सत्र में कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि शराब का गैर-जिम्मेदाराना सेवन स्वास्थ्य, पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल असर डालता है। मनोवैज्ञानिक डॉ. मालविका राव ने बताया कि शराब निर्णय क्षमता, एकाग्रता और शारीरिक समन्वय को प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। कौशाम्बी के सीओ ट्रैफिक ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशे में वाहन चलाना खुद के साथ दूसरों की जान के लिए भी खतरा है। कार्यशाला में प्रश्नोत्तर सत्र और जागरूकता आकलन के लिए पूर्व-पश्चात सर्वेक्षण भी हुआ। अंत में प्रो. रितेश तिवारी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

GHATNAYEIN SAMACHAR

कौशाम्बी में शराब के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा पर युवा जागरूकता कार्यशाला

जनपद कौशांबी मुरादनगर की शान जिला ब्यूरो कौशांबी

कौशाम्बी। चन्द्रशेखर सिंह कॉलेज ऑफ फामेर्सी, कौशाम्बी में युवाओं को शराब के दुष्प्रभावों और नशे में वाहन चलाने के खतरों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर को युवा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एस.एन. सिंह, पूर्व निदेशक, आयुर्वेद सेवाएं, उत्तर प्रदेश रहे। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन रामासृजन जन कल्याण समिति के सचिव ओम मिश्रा ने किया, जबकि स्वागत भाषण फामेर्सी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रितेश तिवारी ने दिया प्रथम तकनीकी सत्र में कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि शराब का गैर-जिम्मेदाराना सेवन स्वास्थ्य, पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल असर डालता है। मनोवैज्ञानिक डॉ. मालविका राव



ने बताया कि शराब निर्णय क्षमता, एकाग्रता और शारीरिक समन्वय को प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। कौशाम्बी के सीओ ट्रैफिक ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशे में वाहन चलाना खुद के साथ दूसरों की जान के लिए भी खतरा है। कार्यशाला में प्रश्नोत्तर सत्र और जागरूकता आकलन के लिए पूर्व-पश्चात सर्वेक्षण भी हुआ। अंत में प्रो. रितेश तिवारी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

MURADNAGAR KI SHAAN

शराब के दुष्प्रभाव ों, कानूनी प्रावधान ों और दुर्घटनाओं से बचाव की दी गई जानकारी
https://khabarpath.in/article/nshe-se-duur-rhne-aur-sddk-surkssaa-ke-prti-yuvaaon-ko-kiyaa-jaagruuk